यीशु का दरबार, मोहे प्यारा लगत है

प्यारा लगत है, दुलारा लगत है...2

1 तेरे दरबार मसीह, कौन-कौन आये,

धर्म के भूखे, गुनेहगार रे

मोहे प्यारा लगत है।

2 तेरे दरबार मसीह, कौन-कौन बैठे

पंडित और मूर्ख, गंवार रे

मोहे प्यारा लगत है।

3 तेरे दरबार मसीह क्या-क्या मिलत है

मुक्ति और शान्ति अपार रे

मोहे प्यारा लगत है।

4 तेरे दरबार मसीह हम सब आये

सुन लो प्रभु जी पुकार रे

मोहे प्यारा लगत है।

5 सुन करके हमरा यह, गाना बजानाकृ2

शैतनवा को आये बुख़ार रे

मोहे प्यारा लगत है।